RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 26 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 2 दिसम्बर 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

उत्तराखण्ड में आन्दोलित हैं लोग

भू-कानून और मूलनिवासी की बात देश की सुरक्षा का सवाल है : ऐरी

अपनी समृद्ध परम्पराओं को बचाओ : पद्मादत्त पंत

कार्यालय प्रतिनिधि

राज्य आन्दोलन की लड़ाई के बाद अब मूल निवासी और भू-कानून को लेकर पूरा उत्तराखण्ड दूसरी लड़ाई लड़ रहा है। युवाओं के बड़े आन्दोलन और देहरादून, ऋषिकेश, हल्द्वानी सहित जगह-जगह शक्ति प्रदर्शन से लग रहा है कि फैसला होने तक यह आग सुलगती रहेगी। प्रदेश के बड़े नेता, कारोबारी, कलाकार, शिक्षक, समाजसेवी सभी आन्दोलन के साथ हो चुके हैं। सोर घाटी के वरिष्ठ लेखक और चिन्तक पद्मादत्त पन्त युवाओं का आह्वान करते हुए कहते हैं- अपनी समृद्ध परम्पराओं को बचाओ। इसके लिये हर एक को जागरूक हो जाना चाहिये।

उत्तराखण्ड क्रान्ति दल के संरक्षक पूर्व विधायक काशी सिंह ऐरी स्पष्ट करते हैं कि भू-कानून और मूल निवासी की लड़ाई को गलत अर्थ में न समझा जाए। भू- कानून और मूल निवासी की बात देश की सुरक्षा का सवाल भी है। श्री ऐरी कहते हैं कि राज्य की मांग के साथ 371 की मांग भी की गई थी। इससे बाहरी व्यक्ति जमीन नहीं खरीद सकता है। उत्तराखण्ड की सुरक्षा देश के सुरक्षा है। लेकिन बात को नहीं समझा गया और केन्द्र ने तो उत्तराखण्ड को उत्तर प्रदेश का उपनिवेश बना कर रख दिया। सन् 2005 में एन. डी.तिवारी सरकार कानून लाई कि गैर उत्तराखण्डी 500 वर्ग मीटर से अधिक भू खरीद नहीं कर सकेगा लेकिन यह नियम ग्रामीण क्षेत्रों के लिये ही था। ऐसे में उत्तराखण्ड ठगा गया क्योंकि

शेष पृष्ठ 3 पर

भू-कानून पर 16 दिसम्बर तक शासन को भेजने होंगे सभी सुझाव

देहरादून। उत्तराखण्ड में नया भू-कानून बनाने के लिये किसानों, बुद्धिजीवियों, पक्षकारों एवं हितधारकों से सुझाव लेकर शासन को भेजने की डेडलाइन 16 दिसम्बर तय की गई है। राज्य के समस्य परगनों के सहायक कलेक्टर वर्तमान भू-कानून में आवश्यक संशोधन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सुझावों को लिपिबद्ध करेंगे। जिलाधिकारियों के माध्यम से इन्हें राजस्व परिषद को भेजा जाएगा। परिषद सूचनाओं को एकत्र कर 16 दिसम्बर तक शासन को उपलब्ध कराएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कहते हैं कि उत्तराखण्ड में अवैध और मनमाने ढंग से की जा रही खरीद-बिक्री पर अंकुश लगाने की तैयारी है। सरकार आगामी बजट सत्र में नए भू-कानून से सम्बन्धित विधेयक विधानसभा में प्रस्तुत करेगी।

जिनका लगाव ही नहीं है वह लूटेंगे : पुनेड़ा

पिथौरागढ़। उत्तराखण्ड क्रान्तिदल के जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर पुनेड़ा कहते हैं कि यूकेडी पर्वतीय चेतना की धारा है। इसके अभियान को लेकर वह इस बार नगर निगम मेयर पद के लिये चुनाव मैदान में उतरेंगे। जनता ने कांग्रेस और भाजपा को दो-दो बार अवसर दिया लेकिन धरातल पर कितना कार्य हुआ है वह भी सब जानते हैं। पिथौरागढ़ शहर को ही उदाहरण के तौर पर देखें तो पता चल जायेगा कि सीवर लाइन का कार्य नहीं हुआ है। बरसात में गन्दा पानी सड़कों पर सड़ांघ मारता है। दूर-दूर से आने वाली वालों को दिक्कत होती है, महिलाओं के लिये शौचालय व्यवस्था तक नहीं है। श्री पुनेड़ा कहते हैं कि जिनको उत्तराखण्ड से, अपने शहर से, अपने गाँव से लगाव ही नहीं है वह तो सिर्फ लूटेंगे। जनता भी इन बातों को समझने लगी है। यही कारण है कि भू-कानून और मूलनिवासी के मुद्दे पर प्रदेशभर में माहौल बन चुका है। यह सब जरूरी भी है।

शिक्षाविद् इन्द्रा पांगती

जिनका ध्येय ही समाज को उठाना रहा हो

डॉ. पंकज उप्रेती

दुनिया में जन्म लेने वाली भीड़ भरपाई मात्र है लेकिन जो लोग अपने समाज को संवारने के लिये समर्पित हों वह विशेष होते हैं। ऐसे ही विशेष परिवारों में से खड़क राय पांगती का परिवार रहा है। इस परिवार की शाखाओं ने समाजसेवा के अलावा शिक्षा के क्षेत्र में जिस प्रकार का योगदान दिया वह हमेशा याद किया जाता रहेगा। इसी परिवार की वरिष्ठ सदस्य हैं- शिक्षाविद् इन्द्रा पांगती। उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली में इनकी सेवा की धुरी रही लेकिन अपने समाज खासकर बालिकाओं के उत्थान के लिये वह हमेशा अग्रणीय रही हैं।

सामाजिक कार्यों में अग्रणीय रहने वाले खड़क राय पांगती इनके (इन्द्रा पांगती) दादा जी थे। जनहित में इनके कार्यों को देखते हुए अंग्रेज शासकों ने इन्हें राय की उपाधि दी थी। इनके दो पुत्र भगत सिंह और जगत सिंह हुए। सेठ भगत सिंह भारत-तिब्बत व्यापार के बड़े व्यापारियों में से थे, इनका 45 लोगों का परिवार और अनगिनत पालतु पशुओं की बहार थी। 'सेठ जी' जिस प्रकार व्यापार में अग्रणीय थे उसी प्रकार अपने परिवार की रुचियों को समझने वाले थे। शिक्षा के क्षेत्र में जोहार से अग्रणीय भागीरथी पांगती इन्हीं की सुपुत्री थीं। दया पांगती, भूपेन्द्र पांगती, कर्नल बहादुर सिंह सहित इस परिवार की शाखाएं चारों ओर फैली हुई हैं। समाज को समर्पित और उदार उस दौर का व्यापारी परिवार होते हुए शिक्षा के क्षेत्र में इसके सदस्य सर्वाधिक आगे रहे हैं। सेठ भगत सिंह जी जिस प्रकार से व्यापार के लिये समाज में मान्यता रखते थे उसी प्रकार उनके भाई जगत सिंह जी समाजसेवा के लिये जाने जाते थे। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जगत सिंह जी आजीवन समाजसेवा में जुटे रहे। इन्हीं की सुपुत्री हैं- इन्द्रा पांगती।

एक व्यापारी, समाजसेवी और शिक्षित परिवार की सदस्य इन्द्रा जी ने बचपन से जिस प्रकार के संस्कारों को देखा वह भी उसी अनुरूप अक्खड़ बनकर रहीं। वह अपनी बुआओं का बार-बार स्मरण करती हैं कि किस प्रकार महिलाओं का समाज में हमेशा से योगदान रहा है। वह बताती हैं कि भैंसखाल में रहते हुए वह पढ़ाई के लिये अल्मोड़ा आया करते थे, तब चार दिन का समय लग लग जाता था। यह पैदल सफर साल में एक बार दिसम्बर के महीने में होता था। अल्मोड़ा में बुआ कला पांगती ने हम सभी बहनों को अपने पास रखकर शिक्षित किया। बुआ जी इलाहाबाद से पढ़ी थीं। अल्मोड़ा में उनका घर पठन-पाठन वालों से ही गुलजार था। इन्द्रा पांगती की सबसे बड़ी बुआ मर्तोलिया लॉज वाले उम्मेद सिंह मर्तोलिया की पत्नी श्रीमती रुकमणि हुईं। यह परिवार पिघलता हिमालय परिवार का प्रमुख परिवार भी है। दूसरे

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

भर्ती रैली में बेरोजगारों का हंगामा

सीमान्त जिला पिथौरागढ़ में आयोजित प्रादेशिक सेना की भर्ती में बीस हजार से अधिक युवाओं का पहुँचना और जगह-जगह हंगामा इस बात को स्पष्ट कर गया है कि भर्ती रैली से ज्यादा बेरोजगारों का ताप उबाल खाने लगा है। देश के विभिन्न राज्यों से भर्ती के नाम पर आए युवकों की भीड़ देखकर प्रशासन के हाथ-पांव फूलने लगे क्योंकि यातायात सहित कोई सुविधा पहले नहीं थी लेकिन जब दबाव बढ़ता गया तो रोडवेज सहित बसों का इन्तजाम किया गया और स्पेशल ट्रेन भी चलाई गई। युवाओं की भीड़ इतना ज्यादा थी कि इन्हें संभालना कठिन था। भीड़ और परेशान युवाओं का फायदा लेने के लिये कई टैक्सी कारोबारियों ने तो मनमानी करनी शुरू कर दी थी, दूर-दूर से आये युवा सड़कों, खेतों, इधर-उधर रात गुजारने को मजबूर हो गये। भटक रहे युवाओं की पीड़ा समझी जा सकती है कि वह किसी भी हाल रहना चाहते हैं यानी नौकरी के लिये धक्के-मुक्के सब झेलेंगे।

प्रादेशिक सेना भर्ती के लिये हजारों युवाओं की भीड़ में कई बार भगदड़ मची। भीड़ नियन्त्रित करने के लिये पुलिस ने लाठियां बरसाई। जाजरदेवल में हुई भीड़ से पूरा जिला मुख्यालय परेशान हो गया। परेशानियों से गुस्साए हजारों युवकों की भीड़ सेना भर्ती के दौरान गेट तोड़कर भर्ती स्थल पर घुस गई।

अब बात सेना की करें तो इसमें बहुत अनुशासन चाहिये। सेना का अनुशासन इसमें जाने के बाद हो ही जाता है लेकिन अपने आप से भी अनुशासन होना चाहिये, जिसकी युवाओं में कमी है। बेरोजगारी की कतार में खड़े युवा से उम्मीद भी क्या करें? बेरोजगारी से त्रस्त लोगों का हाल यह है कि वह किसी भी तरह की नौकरी में लगना चाहते हैं और सेना को भी वह नौकरी का ही जरिया मान बैठे हैं। जबकि सेना में आने के लिये देशसेवा का जज्बा पहले होना चाहिये। जिसमें देश सेवा के लिये सेना में जाने का जुनून और लगाव होगा वही सच्चा सैनिक है। सेना में जाने का लक्ष्य बनाने वाले युवा लगातार उसकी तैयारी करते हैं और उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि भी इस प्रकार की होती है लेकिन देखने में आ रहा है कि हर प्रकार की भीड़ किसी भी भर्ती के लिये उमड़ने लगी है। ऐसा ही भीड़ प्रादेशिक सेना भर्ती के लिये उमड़ी थी। यह सब बेरोजगारी-बदहाली का उदाहरण है।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

ग्रीन गैस उत्सर्जन रोकने में भूमिका निभाएं

बाकू। संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में राष्ट्रीय वक्तव्य देते हुए केन्द्रीय पर्यावरण राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि नए जलवायु वित्त लक्ष्य की जलवायु न्याय के सिद्धान्त के आधार पर तय किया जाना चाहिये। भारत की ओर से उन्होंने कहा कि अमीर देशों को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में अग्रणीय भमिका निभानी चाहिए।

भारत-ब्रिटेन जल्द शुरू करेंगे एफटीए वार्ता

रियो डी जेनेरिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने ब्रिटिश समकक्ष केआर स्टॉर्मर के साथ पहली बैठक में घोषणा की कि भारत ब्रिटेन के वेलफास्ट और मैनचेस्टर में दो नए वाणिज्य दूतावास खोलेगा। साथ ही उन्होंने ब्रिटेन से भगोड़े भारतीय व्यापारियों के प्रत्यर्पण का आह्वान भी किया। जल्द एफटीए वार्ता भी होगी।

जापान प्रयोगशाला का उद्घाटन

क्योटो। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की एवं क्योटो विश्वविद्यालय ने जापान के क्योटो में संयुक्त प्रयोगशाला के उद्घाटन की घोषणा की है। लैब का नाम है, इनिशिएटिव फॉर इंटेलिजेंट केएबायोइफॉर्मेटिक्स। जिसका उद्देश्य नारायण नेत्रालय के सहयोग से दृष्टि से शुरू होने वाली स्वास्थ्य उम्र बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित करना है।

भारत ट्रंप, उनके प्रशासन के साथ उत्सुक

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र के राजदूत पी हरीश ने कहा है कि उनका देश अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके नए प्रशसन के साथ निकटता से काम करने के लिये उत्सुक है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कोलम्बिया विश्वविद्यालय में एक सम्वाद सत्र दौरान यह बातें कहीं।

कैरेबियाई देशों से सहयोग प्रगाढ़ करेगा भारत

जॉर्जटाउन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन में कहा कि भारत के साथ कैरेबियाई देशों का आर्थिक सहयोग, कृषि और खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स तथा विज्ञान और नवाचार जैसे क्षेत्रों में सम्बन्ध मजबूत होने की उम्मी है। कहा भारत कैरेबियाई देशों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग प्रगाढ़ करने का इच्छुक है। गुयाना में दोनों देशों के बीच मित्रता को प्रगाढ़ करने के लिये किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा रही है।

फसक

दाज्यू, गैंग बनाकर धुरमंड होने वाली ठैरी

सारे नेता अपने जोड़-जन्तर में लगे हैं बल

दाज्यू, उपचुनाव के बाद अब निकाय चुनाव को लेकर हल्ला जोर का है और सारे नेता अपने जोड़-जन्तर में लगे हैं बल। नेतागर्दी में अपना रास्ता बनाने के लिये दूसरे का काटने ही वाले ठैरे। तभी तो हर जगह गैंग दिखाई दे रही है। जिसकी सुनवाई नहीं हुई या बेचैन हुआ, वही बरस रहा है। प्रदेश के अधिकतर आयुष कालेज, तय मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। नेशनल कमीशन फॉर इण्डियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन की ओर से रेटिंग जारी हुई है बल। कह रहे हैं- उत्तराखण्ड के बीस कालेजों में से 8 ही मानकों पर थे। सरकारी कालेज भी अयोग्य और दो सी श्रेणी में बता रहे हैं। दाज्यू, क्या कहें क्या न कहें? आयुष मंत्रालय क्या कर रहा होगा? आयुष के नाम पर तगड़े प्रोजेक्ट लेकर भाषण देने वाली प्रो.घुटरू मौज कर रहा है। अपने इलाके में योग का पूरा ठेका घुटरू के हवाले है।

हल्द्वानी के बनभूलपुरा में गैंग बनाकर विद्युत कनेक्शन काटने जोड़ने के नाम पर लाखों रुपये बटोरने वाले गैंग का भण्डाफोड़ हुआ है। गैंग विद्युत निगम का एक पूर्व कर्मचारी एक साल से चला रहा था बल। दाज्यू, चारों ओर गैंग बनाकर ही धुरमण्ड होने वाली ठैरी। पिथौरागढ़ प्रादेशिक सेना में भर्ती होने आए युवाओं के गैंग ने टनकपुर में बसों के सीसे तोड़ डाले। आने जाने की व्यवस्था में सुगमता न होने पर हजारों बालक इधर-उधर भटक रहे थे। बाद में प्रशासन ने व्यवस्था करवाई और पुलिस ने हंगामेदारों को खदेड़ा।

छात्र संघ चुनाव को लेकर इस बार खूब तमाशा हुआ है। घोषणा कर देना और शिक्षा व्यवस्था को पटरी में लाना दो अलग चीज है लेकिन कौन क्या कर सकता है? सब अपनी-अपनी कर रहे हैं। हल्द्वानी में कक्षाएं बन्द कराने के बाद छात्र नेता ने आत्मदाह का प्रयास किया। अन्य कालेजों में भी ज्ञापन, धरना, प्रदर्शन हुल्लड़ मचा। बच्चे तो बच्चे ठैरे मास्साब भी हुल्लड़-गुल्लड़ में व्यस्त हैं। राजकीय मॉडल डिग्री कालेज मीठीबेरी में प्राचार्य और प्राफेसर के के बीच छुट्टी को लेकर विवाद इतना ज्यादा हो गया कि प्राचार्य ने प्रोफेसर पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट करवाई। मास्साब दीपावली की छुट्टी में गये थे, इस बीच उनकी पत्नी ने बेटे को जन्म दिया। बच्चे का स्वास्थ्य खराब होने पर उन्होंने अवकाश बढ़ाने की मांग की, तब प्राचार्य और उनकी कहासुनी हो गई बल। टनकपुर डिग्री कालेज में रूसा की जाँच को लेकर लगातार हंगामा है और कर्मचारियों ने भी प्रशासन पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए शिकायत की है। दाज्यू, सब लीन हो चुके हैं, शालीनता रही नहीं। हल्द्वानी के कमलुवागांजा में नकली शराब की फैक्ट्री पकड़ी गई है। रीखू कह रहा है- 'यदि मास्साब नहीं होता तो, यही सब काम करता। विधायक बनने का बहुत मन करता है।'

कुकर्मियों के किस्से बराबर चल रहे हैं। काठगोदाम क्षेत्र में जीजा ने विधवा साली के साथ दुष्कर्म कर दिया बल। दाज्यू, देहरादून के निजी शिक्षण संस्थान में अध्यनरत दक्षिण अफ्रीका की छात्रा से उसी संस्थान में शिक्षा ले रहे सूडान के छात्र पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

शिक्षाविद् इन्द्रा.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

नम्बर की बुआ अम्बिका का विवाह पद्मश्री लक्ष्मण सिंह जंगपांगी के छोटे भाई से हुआ। तीसरे नम्बर की बुआ कला पांगती शिक्षिका थीं। चौंथी दमयन्ती थीं जिन्होंने पर्दा प्रथा पर लिखा था। पांचवी बुआ हेमलता थीं जिनका विवाह इमला के जंगपांगी परिवार में हुआ।

बात जब जगत सिंह जी की करते हैं तो इनके दो पुत्र लक्ष्मण सिंह व इन्द्र सिंह हुए। इन्हीं की आगे की पीढ़ियों में त्रिभुवन सिंह, प्रशान्त, मनीष पांगती, दिनेश, मनोज, तरुणा। धाम सिंह जी की सुपुत्री खिला पांगती हैं। कुल मिलाकर इस बड़े परिवार की शाखाओं का श्रमसाध्य देखते ही बनता है, हर कोई किसी न किसी जगह उच्च पद पर है लेकिन अपनी जन्मभूमि अपने समाज के लिये कुछ करने का जज्बा भी उतना ही ज्यादा है।

बातों में बात निकलती है तो इन्द्रा पांगती उन पुरानी बातों में खो जाती हैं जब वह पैदल रास्तों से होते शिक्षा के जिस सफर में निकली थीं वह बहुत दूर तलक था। बनारस से लेकर तमाम जगह एक शिक्षक और अधिकारी के रूप में उनकी भूमिका रही है। उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक जैसे उनके कई शिष्य हैं। देश की राजधानी दिल्ली में शिक्षा अधिकारी के रूप में इन्द्रा जी ने नवाचार को बढ़ावा दिया। उत्तराखण्ड में शिक्षा व्यवस्था को लेकर चिन्तित रहने वाली इन्द्रा जी वह बताती हैं कि एक बार वह काण्डा निरीक्षण में गई। तब प्रौढ़ शिक्षा के अभियान का जोर था। निरीक्षण में पाया गया कि शिक्षित को बैठाकर यह दर्शाया जा रहा है कि उन्हें साक्षर किया गया है। इस प्रकार के मामलों को हाथोंहाथ ठीक किया गया। वह मानती हैं कि शिक्षा जैसा विषय कह कर नहीं बल्कि अपने अन्दर से होता है। जिसने पढ़ने और जानने की इच्छा रखी उसे कोई नहीं रोक सकता।

जीवन के उत्तरार्द्ध में इन्द्रा पांगती आज भी उतनी ही सक्रिय हैं जो पहले थीं। अपनों के बीच उनका सफर प्रेरणादायक है। वह दुनियादारी के हर रिश्ते-नाते को भली प्रकार जानती हैं और नई पीढ़ी के बच्चों को भी उनके बुजुर्गों से जोड़ते हुए यही उम्मीद करती हैं कि दुनिया के झमेले में अपनी पगडंडी कोई न छोड़े। अपनी ओर से जितना बेहतर हो सके उसे हमेशा करना चाहिये। समय बीतता जाएगा और हमारा बोया लहराएगा।

फाइल फोटो- बाएं से खड़े- मनीष, दिनेश, विक्रम। बैठे- इन्द्रा पांगती, मनोज, मिश्रा जी की सुपुत्री, स्व.जगत सिंह पांगती

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

उत्तराखण्ड में....

प्रथम पृष्ठ का शेष

एक ओर 500 वर्ग मीटर से अधिक भू खरीद न होने की बात लुभावनी लग रही थी दूसरी ओर नगर पालिका क्षेत्र का विस्तार किया जा रहा था। स्पष्ट नीति न होने से प्रदेश की जमीनों की लूट होती रही। इसके बाद बी.सी.खण्डूरी जी के सामने मांग रखी गई और उन्होंने 500 के स्थान पर 250 वर्ग मीटर भूमि खरीदने की बात तय कर दी लेकिन फिर भी उत्तराखण्ड की जमीनों की खरीद फरोख्त में कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इसके बाद 2018 में तो त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने खुली छूट दे दी चाहे कितनी भी भूमि खरीद कर सको। श्री ऐरी आगे कहते हैं कि कानून बनाने के लिये मुहीम चलाई गई तो एक समिति बना दी गई लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ। अब सरकार द्वारा प्रचार-प्रसार हो रहा है कि भू-कानून पर सख्ती होगी लेकिन वास्तविकता कुछ और ही है। भू-कानून पर्वतीय जनता की पीड़ा है और यह देश की सुरक्षा का सवाल भी है। इससे पहाड़ की जमीन बचेगी और इसकी रक्षा करने वाले भी देश की सुरक्षा के लिये चौकस रहेंगे।

उत्तराखण्ड के अनुभवी राजनेता श्री ऐरी कहते हैं कि अनुसूचित जाति जनजाति जो जहाँ के हैं, वहीं आरक्षण मिलता है। यह सब आम जन के लिये भी लागू होता है। उत्तराखण्ड के मूल प्रमाण पत्र की बात को भुलाकर आज स्थायी निवास प्रमाण पत्र की बात कही जा रही है। इससे फर्जीपन को बढ़ावा मिलेगा। यहाँ के मूल निवासियों को उनका हक मिलना चाहिये। मूल निवासियों के प्रकरण पर कट ऑफ ईयर निर्धारित किया जाना चाहिये। उत्तराखण्ड के नाम पर इसे लुटने नहीं दिया जायेगा। यह लड़ाई अभी जारी रहेगी।

सावधान

डेंजर जोन क्वारब में जान जोखिम में डालकर हो रही है आवाजाही

डॉ.हरीश चन्द्र अन्डोला

अल्मोड़ा से हल्द्वानी को जोड़ने वाला एनएच 109 क्वारब के पास लोगों के लिए खतरा बना हुआ है। लोग जान जोखिम में डालकर आवाजाही करने को मजबूर हैं। वहीं केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा ने क्वारब में बन्द मार्ग के सम्बन्ध में वैकल्पिक मार्ग तलाशने के लिए स्थलीय निरीक्षण किया। केन्द्रीय राज्य मंत्री ने सम्बन्धित अधिकारियों से वैकल्पिक मार्ग तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्वारब के डेंजर प्वाइन्ट में बन्द मार्ग के दौरान वैकल्पिक मार्ग की तलाश जरूरी है। यह मार्ग अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, चम्पावत के साथ ही बागेश्वर के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि क्वारब के समाधान के लिए टीएचडीसी द्वारा 18 करोड़ रुपए की डीपीआर बनाई गई है। इसके लिए इन कार्यों का टैण्डर भी खोल दिया गया है। उन्होंने अधिकारियों से जल्द इसका समाधान खोजने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा जल्द ही क्वारब की समस्या का समाधान कर लोगों को राहत दी जाएगी। निरीक्षण के दौरान उनके साथ मुख्य विकास अधिकारी समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। दरअसल विगत कई दिनों से एनएच 109 में क्वारब के पास डेंजर जोन बना हुआ है। वहाँ पर सड़क धंस रही है और पहाड़ से बोल्डर व मलबा लगातार गिर रहा है। जिस कारण इस मार्ग में वाहनों का आवागमन करना जोखिम भरा हो गया है। जेसीबी से सड़क को साफ कर मार्ग को खोलने का प्रयास प्रशासन की ओर से किया जा रहा है लेकिन लगातार हो रहा भूस्खलन कभी भी किसी बड़ी दुर्घटना को दावत दे सकता है। जरूरी है कि वाहनों का आवागमन शुरू करने से पहले सड़क का यह पॉइंट जल्द लोगों के लिए सुरक्षित किया जाए। क्वारब पुल के पास हिल साइड की ओर लगभग 200 मीटर लम्बाई में भूस्खलन जोन बन जाने से लगातार मलबा और बोल्डर सड़क में गिर रहे हैं। जबकि 30 मीटर लम्बाई में सड़क धंस रही है। वह भाग किसी भी समय नीचे नदी की तरफ खिसक सकता है। उक्त प्रभाग में मोटर मार्ग की चौड़ाइ मात्र 3 मीटर रह गई है जिसमें बड़े वाहनों का आवागमन सुरक्षित नही है। जेसीबी द्वारा रात के समय कार्य किया जाना सम्भव नहीं है।

जिला प्रशासन ने हालातों को देख आवागमन के लिये सख्ती की है। जिलाधिकारी ने कहा कि उपरोक्त निर्देशों में किसी प्रकार की लापरवाही एवं आदेशों की अवेहलना को गम्भीरता से लिया जाएगा। प्रतिबन्धित समय पर सड़क दुर्घटना एवं वाहन संचालन के लिए सम्बन्धित चौकी एवं थाना के प्रभारी जिम्मेदार होंगे। हालांकि, एम्बुलेंस, क्रेन एवं अन्य आवश्यक सेवाओं में प्रयुक्त होने वाले वाहनों पर किसी भी तरह की पाबन्दी नहीं रहेगी। इसके अलावा अगर किसी अन्य वाहन के प्रतिबन्धित समय में यातायात करना जरूरी पाया जाता है तो संबंधित उपजिलाधिकारी और पुलिस क्षेत्राधिकारी निर्णय लेने के लिए अधिकृत होंगे।

अल्मोड़ा-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग यहाँ अल्मोड़ा समेत बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले का मुख्य मार्ग है। लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग पर नैनीताल और अल्मोड़ा जिले की सीमा पर क्वारब के समीप तीन महीनों से पहाड़ी दरक रही है। जिससे यहाँ से वाहनों का आवागमन करना खतरे से खाली नहीं है। क्वारब के समाधान के लिए टीएचडीसी द्वारा 18 करोड़ रुपए की डीपीआर बनाई गई है जिसके क्रम में इन कार्यों का टेंण्डर भी खुल चुका है। डीएम ने कहा कि जल्द ही क्वारब की समस्या का समाधान कर लोगों को राहत दी जाएगी।

प्रशासन ने आदेश की अवहेलना को गम्भीरता से लेने की बात कही है और किसी भी सड़क दुर्घटना या यातायात संचालन की जिम्मेदारी सम्बन्धित थाना/चौकी प्रभारियों पर होगी। अपरिहार्य स्थिति में यातायात संचालन के लिए निर्णय लेने का अधिकार सम्बन्धित उप जिलाधिकारी और पुलिस क्षेत्रधिकारी को दिया गया है। इस निर्णय का उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अल्मोड़ा व नैनीताल जनपद की सीमा पर स्थित क्वारब डेंजर जोन बन गया है। यहाँ पर एक बार फिर से पहाड़ी दरकने के कारण यातायात ठप हो गया है। भारी मात्रा में मलबा गिरने के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतार लग गई। जिस कारण पुलिस को रूट डायवर्ट करना पड़ा है। अब अल्मोड़ा जाने वाले वाहन रानीखेत होते हुए भेजे जा रहे हैं। अल्मोड़ा-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग 109 स्थित क्वारब एक डेंजर जोन बन गया है। आए दिन यहाँ पर पहाड़ी से भूस्खलन हो रहा है। जिस कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अब वाहनों को अल्मोड़ा लमगड़ा-शहरफाटक व खैरना-रानीखेत मार्ग से भेजा जा रहा है। बता दें इस रूट पर रात में सफर करना खतरे से खाली नहीं है।

न्यौंला पंचाचूली हिमानी की व्यथा

दिलंग रारमा घाटी के हिम शिखर न्यौंला पंचाचूली के प्रांगण बसे,
पौराणिक गाँव- दंगतो (दाँतू) में मैं रहता हूँ।
रात में यहाँ जितना न्यौंला की हिमानी ओड़कर मैं सोता हूँ,
हर रोज मुट्ठी भर न्यौंला की हिमानी कम पाता हूँ।।
न्यौंला पंचाचूली की हिमानी हर मिनट और हर घण्टे,
हर रोज मुट्ठी दर मुट्ठी हो रही है कम।
वर्तमान यातायात का ईधन यहाँ के पर्यावरण-वातावरण का घोट रहा है दम।।
मेरे दादा-दादी और बुजुर्ग ग्रामीण कहते थे, उनके बचपन में,
प्रकृति देव 'न्यौंला पंचाचूली' की चोटियों पर रोज अंगुल दर अंगुल हिमानी बढ़ती जाती थी।
और न्यौंला हिमानी की अंजना उनकी आँखों में जब तेज पड़ती थी,
तो प्राकृतिक सामनजस्य के कारण आँख भी यह अंजना तब सह लेती थी।।
वर्तमान समय में न्यौंला हिमानी की तेज-अंजना,
नहीं पड़ती आँखों पर हमारी।
क्योंकि न्यौंला पंचाचूली डाणे की हिमानी वर्तमान समय में,
लड़ रही है अपना अस्तित्व बचाने की स्वयं लड़ाई।।
वायुमण्डल प्रदूषण से हर पल, हर रोज घट-घट के कम होती जा रही है,
बलिस्ट बर्फीला हिमालय की तरह न्यौंला की कठोर हिमानी।
जिसके कारण न्यौंला पंचाचूली हिमानी की आन्तरिक धरातली चोटी,
हर रोज रेत में बदल रही है आन्तरिक कमजोर हिमानी की मिट्टी।।
कमजोर मिट्टी का यह कतरा-कतरा बहा रही है न्यौंला पंचाचूली की हिमनदी, जब से न्यौंला पंचाचूली परिक्षेत्र पर बढ़ी आधुनिक यातायात की गति।
तब से पिघल-पिघल कर न्यौंला पंचाचूली की हिमानी घटी।।
प्रकृति के साथ यह कैसा प्राकृतिक असमनजस्य विकास कर रहे हैं हम।
जिससे न्यौंला पंचाचूली की हिमानी पिघलकर मिटा रहे हैं इसका अस्तित्व स्वयं हम।
और न्यौंला पंचाचूली की हिमानी को खड़े-खड़े असहाय होकर देख रहे हैं हम।।
जब से हमारा रं लुंग्बा कर रही है अतिथियों को अपनी ओर आकर्षित।
तब से न्यौंला पंचाचूली की शान्त हिमानी को अशान्त कर रही है,
और हो रहा है आधुनिक यातायात से पर्यावरण प्रदूषित।।
दिलंग दारमा घाटी के हिम शिखर न्यौंला पंचाचूली के प्रांगण पर बसे,
पौराणिक गाँव- दंगतो (दाँतू) में मैं नरेन्द्र रहता हूँ।
रात में यहाँ जितना न्यौंला की हिमानी ओड़कर मैं सोता हूँ,
हर रोज मुट्ठी भर न्यौंला की हिमानी कम पाता हूँ।।

-नरेन्द्र सिंह दताल

ज्योतिष की बातें- 206

2 दिसम्बर 2024 को शुक्र मित्रराशि मकर में प्रवेश करेगा। वहाँ पर मंगल की क्रूर दृष्टि तो गुरु की शुभ दृष्टि भी पड़ेगी। कुल मिलाकर शुक्र अत्यन्त शुभ फल प्रदान करेगा। फलदीपिका के अनुसार शुक्र केवल छठवें, सातवें और दसवें स्थान पर अशुभ होता है अन्य स्थानों पर शुभ फलदायक होता है। अत: अगले 26 दिन सांसारिक सुख आदि अपने कारक विषयों में शुक्र वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुम्भ व मीन राशियों के लिए अत्यन्त शुभफल प्रदान करेगा तथा शेष राशियों के लिए सामान्य फलदायक रहेगा।

7 दिसम्बर 2024 को मंगल अपनी नीचराशि कर्क में वक्री हो जाएगा। अगले 80 दिन तक मंगल वक्री रहेगा। इस अवधि में मंगल के क्रूर तथा उग्र प्रभाव में वृद्धि अनुभव होगी।

विवाह पंचमी- मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष पंचमी तिथि को भगवान राम व माता सीता का विवाह हुआ था। तदनुसार शुक्रवार 6 दिसम्बर 2024 को यह पर्व उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 97

प्री वेडिंग और हनीमून

पहले जमाने में लड़का लड़की की शादी होती थी तो अगले दिन ही सत्यनारायण कथाश्रवण के बाद अपने दैनिक कार्यों में लग जाते थे। फिर बाद में धीरे-धीरे हनीमून का प्रचलन प्रारम्भ हुआ। शादी के बाद 10, 15 दिन नवदम्पति कहीं घूमने फिरने, पिकनिक मनाने जाने लगे जिससे कि वे दोनों अर्थात् केवल वे ही दोनों खुलकर प्यार कर सकें और कोई भी उन्हें व्यवधान उत्पन्न न कर सके। अब तो एक नई रिवाज शुरू हुअ है शादी के पहले ही वर व कन्या एक दूसरे से फोन पर बातचीत करते हैं, मिलते-जुलते हैं और अच्छे-अच्छे प्राकृतिक स्थानों पर जाकर सुन्दर-सुन्दर फोटो खिचवाते हैं। शादी के पहले ही एक दूसरे से मिलना, स्पर्श करना गले मिलना, रोमांचक अंदाज में फोटो खिंचवाना, वीडियो बनवाना, यह सब कई दिनों तक अब चलने लगा है। पहले जहाँ विवाह के पहले एक दूसरे का स्पर्श करना सर्वथा वर्जित था अब तो वह एक आवश्यक रिवाज बन चुका है। यह वास्तव में हिन्दू धर्म को नष्ट-भ्रष्ट करने का और विवाह पद्धति समाप्त करने का एक तरीका है। यह सर्वथा अनुचित है। अमेरिका की नकल करना ठीक नहीं है जहाँ पर तो सन्तान उत्पन्न होने के बाद कुछ लोग विवाह करते हैं। इस प्रीवेडिंग सिस्टम पर समाज के जागरूक और धर्मनिष्ठ लोगों को पूर्णत: प्रतिबन्ध लगाना चाहिए। क्योंकि प्री वेडिंग एक प्रकार का अनाचार ही है।

-सरल

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

घर बैठे जमा होगा भवन-स्वच्छता कर

हल्द्वानी। नगर निगम के 27 हजार करदाता और 5 हजार लाइसेंसधारियों को अब भवन-स्वच्छता कर और लाइसेंस फीस जमा करने के लिये घर बैठे सुविधा होगी। निगम बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ मिलकर एप तैयार कर रहा है, जिससे यह सुविधा होगी।

पद्मश्री एस.सी.पंत की स्मृति में शिविर

रानीखेत। पद्मश्री डा.एस.सी.पन्त की स्मृति में हिल माउंटेशन के तत्वावधान में छावनी परिषद बहुद्देशीय सभागार में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें दस विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम ने कैंसर, हड्डी, दन्त, नेत्र सहित अन्य बीमारियों के 150 से अधिक मजीरों का परीक्षण किया।

एनएच की बदहाली पर भड़के

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग में क्वारब पुल के पास बने डेंजर जोन में सड़क व पहाड़ी का ट्रीटमेंट नहीं होने पर लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। व्यापार प्रतिनिधिमण्डल के तत्वावधान में जिला और नगर व्यापार मण्डल, लोधिया व्यापार मण्डल, होटल एसोसिएशन, ट्रान्सपोर्ट यूनियन, टैक्सी यूनियन, ट्रक यूनियन, छात्र संगठनों ने गांधी पार्क में धरना प्रदर्शन कर प्रशासन को चेतावनी दी।

पिथौरागढ़-धारचूला के लिये बस सेवा शुरू

पिथौरागढ़। पिथौरागढ़-धारचूला के लिए रोडवेज बस सेवा शुरू होना शुभ है। सिल्थाम से प्रात: 7 बजे 34 सीटर बस रवाना होगी और धारचूला से दिन में 1 बजे वावसी करेगी। इस रूट पर टैक्सी नियमित चलती हैं लेकिन बस संचालन होना जरूरी था लेकिन यात्रियों को आसान सुविधा मिल सके।

शहीद नैन सिंह की प्रतिमा का अनावरण

डीडीहाट। चौबाटी में वीर सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख बबीता चुफाल व पूर्व ब्लाक प्रमुख हरेन्द्र चुफाल ने शहीद नैन सिंह कन्याल की प्रतिमा का अनावरण किया। कहा कि 1962 के भारत-चीन युद्ध में वालैंग क्षेत्र में देश रक्षा में बलिदान देने वाले नैन सिंह हम सबके प्रेरणास्रोत हैं।

डांठ चौराहे पर गांधी मूर्ति लगेगी

नैनीताल। तल्लीताल से गांधी मूर्ति और पोस्ट आफिस हटाने को लेकर चल रहे विवाद के बीच प्रशासन ने सहमति का दावा किया है और कहा है कि अब मूर्ति झील किनारे से चौराहे के बीचों बीच में स्थापित की जायेगी और पोस्ट आफिस को रोडवेज बस स्टेशन के भ्वन में शिफ्ट किया जायेगा। इस बारे में डीएम के साथ एक बैठक की गई।

जौलजीवी मेले में बैडमिंटन प्रतियोगिता के साथ कुछ नया

जौलजीवी। ऐतिहासिक जौलजीवी मेले में बैडमिंटन प्रतियोगिता के साथ कुछ नया करने का जुनून स्थानीय बुद्धिजीवियों व युवाओं ने रोशनी के रूप में देखा जाना चाहिये। बैडमिंटन एसोसिएशन जौलजीवी के तत्वावधान में प्रतियोगिता का शुभारम्भ उपजिलाधिकारी मनजीत सिंह व अस्कोट पाल बंश के कुंवर भानु राज पाल ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश वर्मा, उपाध्यक्ष गणेश लोहनी, उपेन्द्र पाल, किशन दताल, राजेन्द्र बुर्फाल, सुरेन्द्र सिंह बुढ़ाथोकी, हरीश पोखरिया, कमलेश जोशी, व्यापार संघ अध्यक्ष धीरेन्द्र धर्मशक्तू, पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी विक्रम पाल, दौलत पाल, अभि बुर्फाल, कार्तिक भट्ट, दिनेश भट्ट, सोनू बाबू, निमेश दास, नितेश कुमार, प्रशान्त कन्याल, दिनेश चन्द्र जोशी, चन्द्र मोहन पाल, योगेश पाल, दीपक पुनेठा, टिकेन्द्र सिंह, करन थापा सहित एक लम्बी टीम इस प्रकार के आयोजनों के लिये जुटी है। मेले के बदलते स्वरूप में चिकित्सा शिविर भी सशस्त्र सीमा बल ने लगाया।

हल्द्वानी चौराहे, मन्दिर शिफ्ट होने लगे

हल्द्वानी। सड़क चौड़ीकरण और चौराहों का घेरा बढ़ाने के लिये जारी कार्रवाई के क्रम में शहर के वह मन्दिर शिफ्ट होने लगे हैं जिनके कारण कार्य में दिक्कत हो रही थी। इसमें सबसे पहले कालाढूंगी चौराहे का कालू सिद्ध मन्दिर है।

अत्यधिक व्यस्त चौराहे के रूप में देखा जा रहा है कालाढूंगी चौराहा शहर के बीचोंबीच इस मन्दिर के कारण बहुत सकरा हो गया था। प्रशासन ने वार्ता कर इसका हल निकाला और इसके बाद नये स्थान पर विधिवत पूजन कर निर्माण कार्य को गति दी है। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में मन्दिर का भूमि पूजन किया गया। इसमें भाजपा पदाधिकारी भी मौजूद थे। बताया गया है कि सड़क पार करने के लिये एक फुटओवर ब्रिज भी बनाया जाना है।

जिला प्रशासन नरीमन चौक से काठगोदाम रेलवे स्टेशन सड़क चौड़ीकरण कर रहा है। इसकी जद में आ रहे शनि मन्दिर को भी कॉलटैक्स में शिफ्ट किया जाना है। शहर में लगातार वाहनों के बढ़ते दबाव को देखते हुए जिला प्रशासन नैनीताल रोड का चौड़ीकरण कर रहा है। रेलवे स्टेशन तक सड़क चौड़ीकरण के कारण अन्य भी हटने लगे हैं।

तिदांग-बिदांग सड़क कटिंग कार्य

धारचूला। दारमा घाटी के तिदांग, गो, बिदांग गाँवों को जोड़ने वाली सड़क का शुभारम्भ बीआरओ के कमाण्डर कर्नल प्रशान्त सिंह और दीलिंग दारमा सेवा समिति अध्यक्ष करन सिंह ग्वाल ने संयुक्त रूप से पूजा-अर्चना कर किया। इस अवसर पर ग्राम गो के ग्रामीणों ने बीआरओ के अधिकारियों को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

जेसीबी ऑपरेटर के सड़क कटिंग का कार्य शुरू करते ही ग्राम पंचायत गो के ग्रामीणों ने खुशी मनाई। पहले दिन 30 मीटर सड़क काटी गई। समिति के अध्यक्ष करन सिंह ग्वाल और मदन सिंह ग्वाल ने इसे ऐतिहासिक पल बताते हुए सड़क निर्माण कार्यदायी संस्था 67 आरसीसी ग्रिफ को हर सम्भव सहयोग के लिये कहा। कमाण्डर कर्नल प्रशान्त सिंह ने बताया कि तिदांग, गो, बिदांग कुल 23 किमी. सड़क कटिंग का कार्य होना है। इस अवसर पर एई ओआईसी राम सिंह मीणा, जेई अविनाश, ग्राम प्रधान मुकेश ग्वाल, शेर सिंह ग्वाल, धीरा ग्वाल, इन्द्र ग्वाल, पूरन ग्वाल, दानी ग्वाल आदि उपस्थित थे।

परिक्रमा

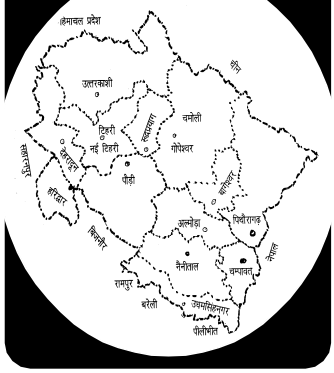

सैद्धान्तिक सहमति, फिर होगी यात्रा

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच वास्तविक नियन्त्रण रेखा पर सामान्य स्थिति की बहाली के बाद दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें और अगले वर्ष से कैलास मानसरोवर यात्रा शुरू करने की सैद्धान्तिक सहमति बनी है।

विदेश मंत्री एस.जयशंकर और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य तथा विदेश मंत्री वांग यी के बीच जी20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर ब्राजील के रियो डि जनेरियो शहर में भेंट के दौरान दोनों देशों के बीच सम्बन्ध सामान्य बनाने के लिये विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने माना कि हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी ने शान्ति और स्थिरता बनाए रखने में योगदान दिया है। चर्चा भारत-चीन सम्बन्धों में अगले कदमों पर केन्द्रित रही। इस बात पर सहमति हुई कि विशेष प्रतिनिधियों और विदेश सचिव उप मंत्री तंत्र की एक बैठक शीघ्र ही होगी।

संघ प्रमुख भागवत का 4 दिनी प्रवास

मुवानी। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का चार दिनी पिथौरागढ़ प्रवास भव्य कार्यक्रमों, बैठकों के बीच बीता। इस दौरान भागवन ने प्रान्त कार्यकारिणी और क्षेत्र कार्यवाहों के साथ शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन पर विस्तार से चर्चा की। सर संघ चालक ने मुवानी में नवनिर्मित शेर सिंह कार्की विद्यालय का लोकार्पण किया।

डॉ.भागवत ने पिथौरागढ़ में संघ की शाखा में प्रतिभाग करते हुए नवयुवाओं में जोश भरा। उन्होंने सभी जिला प्रचारक और वरिष्ठ प्रचारकों के साथ सम्वाद किया। पंच परिवर्तन स्वदेशी, सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण एवं जल संरक्षण विषयों पर चर्चा हुई। संघ प्रमुख के इस आगमन पर पूरे प्रदेश में हलचल रही।

भारतीय व्यापारियों की पीड़ा सुने सरकार

धारचूला। कोरोना काल से चीन की मण्डी तकलाकोट में डम्प भारतीय व्यापारियों को अब गोदाम खाली करने को कह दिया गया है, ऐसे में सरकार इनकी सुध ले। विधायक हरीश धामी ने इनकी पीड़ा को समझा और बयां करते हुए कहा कि भारत-चीन व्यापार से जुड़े व्यापारियों को कोविड काल याने 6 साल से लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इन्हें राहत देने को कहा है। भारत-चीन व्यापार संघ के अध्यक्ष जीवन रौंकली कहते हैं कि व्यापार बन्द होने से व्यापारियों को लाखों का नुकसान हुआ है। अब मण्डी में भी दुकान खाली करने और किराये के लिये सन्देश आया है। ऐसे में मुश्किलें और ज्यादा बढ़ गई हैं। सरकार को शीघ्र व्यापार को सुचारू करना चाहिये और पीड़ित व्यापारियों को आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिये।

बताया जा रहा है कि 50 से अधिक कारोबारी व्यापार बन्द होने से बेहद परेशान हैं। चीन की मण्डी में भारतीय करैंसी में एक गोदाम का किराया 35 हजार से अधिक है। किराया देने और गोदाम खाली करने की चेतावनी से भारतीय कारोबारी दिक्कत में हैं।

नाग महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम

बेरीनाग। नाग महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बहार रही। विधायक फकीर राम टम्टा, ब्लाक प्रमुख विनीता बाफिला, शिक्षिका गंगा आर्या अतिथि के रूप में थे। समिति के अध्यक्ष अमित पाठक, सचिव राजीव शर्मा, जीवन धानिक, कमलेश पन्त सहित पूरी टीम आयोजन की सफलता के लिये जुटी रही।

ऐतिहासिक बौराणी मेला में मशाल

गंगोलीहाट। बौराणी का ऐतिहासिक मेला अपनी संस्कृति के साथ मनाया गया। मेले का मुख्य आकर्षण छिलके की मशाल पुलई गाँव से निकाली गई। स्थानीय 7 गाँवों के लोग ढोल नगाड़ों के साथ्स मशाल लेकर अपने अराध्य देव के मन्दिर पहुँचे। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंच भी सजा। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष दीवान सिंह बोरा, संरक्षक राजेन्द्र सिंह बोरा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेश राम, ममता बोरा, कमल कार्की आदि थे।

चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी पर अभ्यास

गैरसैंण। चिन्यालीसैंण हवाई पट्टी पर वायु सेना का 11 दिवसीय अभ्यास जारी है। सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण चिन्याली सौड़ में में आगरा एयर बेस से वायुसेना के बहुउद्देशीय परिवहन विमान एएन-32 ने लैंडिंग की। भविष्य की आपातकालीन स्थितियों को देखते हुए यह अभ्यास महत्वपूर्ण है।

81 को स्वर्ण पदक के साथ मिली डिग्री

ऋषिकेश। श्रीदेवसुमन विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह में विवि कुलाधिपति एवं राज्यपाल गुरमीत सिंह ने उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले 81 छात्र-छात्राओं को स्वर्णपदक व डिग्री प्रदान की। समारोह में 21230 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। शहरी विकास मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल, कुलपति प्रो. एन.के.जोशी, राज्य महिला आयोग अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल, शैलेन्द्र नेगी, स्टाफ सहित गणमान्य जन उपस्थित थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

जौलजीवी मेला : उम्मीदों की डोर में सफर जारी है

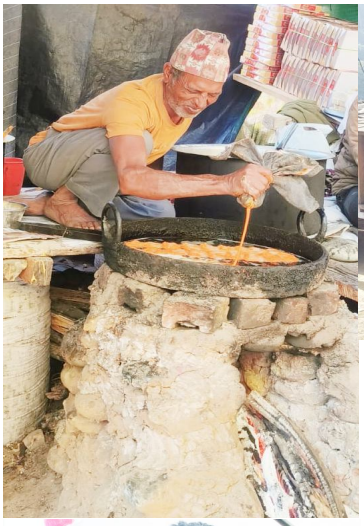

पि.हि.प्रतिनिधि

जौलजीवी। ऐतिहासिक जौलजीवी मेला इस बार भी उम्मीदों की डोर में सफर तय कर रहा है। मेले के हालातों को देखते हुए लगता है इसमें स्थानीय युवा और बुद्धिजीवी हस्तक्षेप कर नई ऊँचाई दे सकते हैं अन्यथा इस ऐतिहासिक मेले स्वरूप पूरी तरह धुल जायेगा। रजवारों के समय में उनके संरक्षण में भारत-नेपाल-तिब्बत के व्यापारियों का बड़ा मेला जौलजीवी अब सिमट गया है लेकिन इसकी ताप आज भी बरकरार है। बड़ी संख्या में बाहर से व्यापारी आए हुए हैं लेकिन समय के साथ इनमें बदलाव है। इस बार सरकारी स्टालों के आलवा अधिकतर रेडीमेड सामान बेचने वाले व्यापारी मेले में हैं। पहाड़ी व्यंजनों की जगह 'चिकन बिरयानी' का फड़ लगा हुआ है।

मेला स्थल पर हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अनवाल समाज की प्रस्तुतियों को सराहा गया। मंच पर रं संस्कृति पर आधारित नृत्यगीत ने मन मोह लिया। अनवाल समाज के अध्यक्ष गुमान सिंह बिष्टद्व सचिव हीरा बिष्ट, मदन सिंह बिष्ट के नेतृत्व में नृत्यगीत प्रस्तुत किये। दीलिंग दारमा सांस्कृतिक विकास समिति और दारमा पंचाचूली समिति के गो गाँव के ग्रामीणों ने पारम्परिक वेशभूषा में प्रस्तुति दी। जौलजीवी के अंकिता दताल, गणेश मर्तोलिय, सोनू तितियाल, धर्मवीर की एकल प्रस्तुति सराही गई। महिला मंगल दल दांतू, गो और आशीष फिरमाल के गीतों ने भी समा बांधा। संचालन शंकर दत्त भट्ट, करन सिंह थापा, ए.आर. दताल ने किया।

इस अवसर पर विधायक हरीश सिंह धामी, एनएचपीसी के महाप्रबन्धक एम.कन्नन, मेलातधिकारी मनोज सिंह, आबकारी अधिकारी पवन सिंह, व्यापार मण्डल संरक्षक शकुन्तला दताल, अध्यक्ष धीरेन्द्र धर्मशक्तू, दीलिंग दारमा अध्यक्ष करन ग्वाल, दारमा पंचाचूली समिति के अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह, ललित लबेला, अमर चन्द, दिनेश वर्मा, उपेन पाल, लीला बंग्याल, महेन्द्र सिंह बुदियाल, कैलाश धामी, भवान साही, शकुन्तला दताल, जानकी बुर्फाल, बसन्ती, सुरेन्द्र धाम, जीनत अंसारी आदि मौजूद थे।

अपने क्षेत्र को दिशा-दशा देने के जुनून के साथ-

चन्द्रशेखर पुनेड़ा

जिलाध्यक्ष उत्तराखण्ड क्रान्ति दल

राज्य आन्दोलनकारी

मेयर प्रत्याशी

नगर निगम पिथौरागढ़

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555
नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत
होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From
Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

पिघलता हिमालय के बढ़ते कदमों के साथ-

सुरेन्द्र सिंह मर्तोलिया
'दुर्गा सदन', मुधवन इनक्लेव फेस-2
रेशम बाग के पास, गैस गोदाम रोड
कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी

डॉ.देवराज सिंह पांगती
(पूर्व प्राचार्य)
महाविद्यालय मार्ग
पिथौरागढ़

डॉ.मनोज जंगपांगी
मदकोट
(पिथौरागढ़)

महिमन सिंह
ह्यांकी
(निकट- अम्बेडकर पार्क)
तहसील रोड
धारचूला

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल
9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)